देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 10.08.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- उत्तरकाशी के धराली और हर्षिल में आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी।
- मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने आपदाग्रस्त क्षेत्र में हवाई रेस्क्यू के बाद सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बहाल करने के निर्देश दिए।
- पौड़ी और धराली में तीन–तीन सदस्यीय टीम, आपदा के कारणों का अध्ययन कर एक सप्ताह में रिपोर्ट पेश करेंगी।
- हर्षिल घाटी में आपदा से ठप हुई बिजली आपूर्ति को यू०पी०सी०एल ने बहाल किया।
- केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा– उत्तरकाशी में आई आपदा में राहत पहुंचाने के लिये केंद्र सरकार हर संभव मदद उपलब्ध करा रही है।
- उत्तराखंड सरकार संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए 13 आदर्श संस्कृत ग्रामों का आज शुभारम्भ करेगी।

राहत और बचाव अभियान

उत्तरकाशी के धराली और हर्षिल में आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। गृह सचिव शैलेश बगौली ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में जिलाधिकारी प्रशांत आर्या से दिनभर के रेस्क्यू अभियान की जानकारी ली। हर्षिल और धराली में डीजल की कमी न हो, इसके लिए प्रतिदिन दो हजार लीटर डीजल और 20 से 25 रसोई गैस सिलेंडर भेजने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने हर्षिल घाटी में खाद्य सामग्री की कमी रोकने और सड़कें बहाल होने तक घोड़े–खच्चरों से आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही बीआरओ के अनुरोध पर धराली में जल पुलिस के लिए खोजबीन और बचाव अभियान के लिये नाव भेजने के निर्देश दिए।

कल 480 लोगों को हर्षिल और नेलांग से सुरक्षित निकालकर जौलीग्रांट, मातली और चिन्यालीसौड़ भेजा गया। 6 से 9 अगस्त के बीच चार दिनों में एक हजार 126 लोगों का रेस्क्यू किया गया। कल यूकाडा और सेना के हेलीकॉप्टरों ने 128 बार उड़ान भरी, जबकि चार दिनों में कुल 257 उड़ान भरी जा चुकी हैं, जिससे रेस्क्यू अभियान में तेजी आई है।

आवश्यक निर्देश

उत्तरकाशी जिले में आई आपदा के बाद राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचे। उन्होंने विभिन्न एजेंसियों से अपडेट लिया और बताया कि वायुसेवा से अधिकांश रेस्क्यू अभियान पूरा हो चुका है। उन्होंने अब पूरा ध्यान प्रभावित क्षेत्रों में बिजली, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बहाल करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने एसडीआरएफ के महानिरीक्षक अरुण मोहन जोशी को खोजबीन और बचाव अभियान का नोडल अधिकारी नियुक्त किया, जो सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर जल्द से जल्द अभियान पूरा कराएंगे।

श्री बर्द्धन ने राहत कार्यों को तेज़ और प्रभावी बनाने के लिए प्रभावित इलाकों को सेक्टर में बांटने के निर्देश भी दिए। प्रत्येक सेक्टर प्रभारी को समयबद्ध तरीके से जिम्मेदारी पूरी करने को कहा गया। वहीं, आपदा के कारणों का अध्ययन करने के लिए पौड़ी और धराली में भू–वैज्ञानिकों की तीन–तीन सदस्यीय टीम भेजने के आदेश भी दिए गए, जो एक सप्ताह में रिपोर्ट पेश करेगी।

मुख्य सचिव ने सभी एजेंसियों को आपसी तालमेल बनाए रखने और राहत कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

बिजली आपूर्ति

हर्षिल घाटी में हालिया प्राकृतिक आपदा से पूरी तरह ठप हुई बिजली आपूर्ति को उत्तराखण्ड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड– यू०पी०सी०एल ने बहाल कर दिया है। भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने से विद्युत पोल, तार, ट्रांसफार्मर व उपसंस्थान क्षतिग्रस्त हो गए थे और सड़क मार्ग बाधित होने से सामग्री पहुँचाना चुनौतीपूर्ण था।

पहले चरण में 125 किलोवाट एम्पीयर क्षमता का डीजल जनरेटर सेट और अन्य आवश्यक उपकरण हेलीकॉप्टर से हर्षिल पहुंचाए गए। सेना और प्रशासन के सहयोग से 10 सदस्यीय टीम को भी हवाई मार्ग से वहां भेजा गया। दूसरे चरण में इंजीनियरों और लाइनमैनों ने क्षतिग्रस्त पोल व तार बदले, नई सर्विस लाइनों को जोड़ा और डीजी सेट से अस्थायी आपूर्ति शुरू की। सौर ऊर्जा और 25 किलोवॉट क्षमता वाले माइक्रो हाइड्रो ग्रिड को भी जोड़ा गया, जिससे मुखवा गांव में स्थायी आपूर्ति सुनिश्चित हुई।

निरीक्षण / सराहना

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने धराली में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी और स्वयंसेवकों के प्रतिकूल परिस्थितियों में किये जा रहे कार्य की सराहना की और उनका उत्साह बढ़ाया।

धराली में चिकित्सा स्टाफ और महिलाओं ने स्वास्थ्य सचिव को राखी बांधकर भरोसा जताया, जिस पर उन्होंने चौबीसों घंटे स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने घायलों से मिलकर बेहतर इलाज और दीर्घकालिक स्वास्थ्य योजना की बात कही।

निरीक्षण के दौरान डॉ. राजेश कुमार ने राहत शिविरों का जायजा लिया, जवानों के साथ भोजन किया और सेवा भावना की सराहना की।

डॉक्टर कुमार ने बताया कि चिन्यालीसौड़ से धराली तक कई स्वास्थ्य टीमों की 24 घंटे तैनाती की गई है, जबकि जिला चिकित्सालय में घायलों के लिए सभी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रेस कांफ्रेंस

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा कि उत्तरकाशी के धराली में हाल में आई प्राकृतिक आपदा पर केंद्र सरकार लगातार नजर रखे हुए है और हर संभव मदद उपलब्ध करा रही है। देहरादून में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाएं मानव नियंत्रण से बाहर होती हैं, लेकिन केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर राहत पहुंचाने और स्थिति संभालने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही हैं।

दलित समुदाय के मुद्दों पर उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में जागरूकता बढ़ने से अब दलित न्याय के लिए पुलिस तक पहुंच रहे हैं। नशा मुक्त भारत अभियान पर जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देशभर में एक हजार 700 से अधिक नशा मुक्ति केंद्र और वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक हजार 650 से अधिक वृद्धाश्रम बनाए गए हैं।

श्री आठवले ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया और सरकार की जनकल्याण की प्रतिबद्धता को दोहराया।

हर घर तिरंगा

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की है कि हर घर तिरंगा को पूरे भारत में अभूतपूर्व लोकप्रियता मिल रही है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारत के लोगों को एकजुट करने वाली गहरी देशभक्ति की भावना और तिरंगे पर उनके अटूट गर्व को दर्शाता है। उन्होंने लोगों से harghartiranga.com पोर्टल पर तस्वीरें और सेल्फी साझा करते रहने का आग्रह किया।

आदर्श संस्कृत ग्राम

उत्तराखंड सरकार संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए 13 आदर्श संस्कृत ग्रामों का आज शुभारम्भ करेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देहरादून के भोगपुर से कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे और सभी जिलों के आदर्श संस्कृत ग्राम वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। विभागीय अधिकारियों को कार्यक्रम की सभी तैयारियाँ पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार, देववाणी संस्कृत को संरक्षण देने और प्रदेश की दूसरी राजभाषा के रूप में इसके संवर्धन के लिये प्रतिबद्ध है। पहले ही प्रत्येक जिले में एक–एक आदर्श संस्कृत ग्राम बनाने की घोषणा की जा चुकी है और इन ग्रामों का चयन भी कर लिया गया है। संस्कृत सप्ताह के शुभ अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में ग्रामों को औपचारिक रूप से जोड़ा जाएगा।

इन आदर्श संस्कृत ग्रामों में ग्रामीण, संस्कृत को आत्मसात कर आपसी वार्तालाप से लेकर दैनिक कामकाज तक संस्कृत में करने का प्रयास करेंगे। साथ ही सनातन संस्कृति के अनुरूप विभिन्न संस्कारों के अवसर पर वेद, पुराण और उपनिषदों की ऋचाओं का पाठ किया जाएगा।

यह योजना उत्तराखंड संस्कृत अकादमी और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में संचालित की जाएगी।

पत्रिका स्टोर शुभारंभ

प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने कहा कि संस्था दर्शकों के लिए प्रवेश बाधाएँ कम करने और सूचना, शिक्षा व मनोरंजन तक व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने यह बात नई दिल्ली में वेव्स ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर पत्रिका स्टोर के शुभारंभ के अवसर पर आकाशवाणी समाचार से विशेष बातचीत में कही।

रक्षा उत्पादन

वित्त वर्ष 2024–25 में वार्षिक रक्षा उत्पादन बढ़कर एक लाख 51 हज़ार करोड़ रुपये के अब तक के सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गया। यह उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष के एक लाख 27 हज़ार करोड़ रुपये के उत्पादन की तुलना में 18 प्रतिशत की मज़बूत वृद्धि है। इसकी सराहना करते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह रक्षा औद्योगिक आधार को मज़बूत करने का स्पष्ट संकेत है। श्री सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में, रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग और अन्य हितधारकों की भी सराहना की।

और अब एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर––

उत्तरकाशी में आपदा प्रभावित क्षेत्र से जुड़ी ख़बरे आज भी सभी समाचार पत्रों की सुर्खियों में है।

दैनिक जागरण समाचार पत्र की मुख्य ख़बर है– आपदा पीड़ितों को पांच–पांच लाख, मुख्यमंत्री ने प्रभावितों को छह माह मुफ्त राशन देने का भी किया एलान। वहीं, अमर उजाला का शीर्षक है– जीपीआर रडार तलाशेगा मलबे में दबी जिंदगियां, चार सौ अस्सी फंसे लोग और निकाले।

पांचवे दिन धराली हुआ रोशन, अमर उजाला की सुर्खी है। समाचार पत्र लिखता है– यूपीसीएल ने बिजली पहुंचाई : चिनूक और दो अन्य हेलीकॉप्टर की मदद से पहुंचा सामान और टीम।

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पांच पाकिस्तानी जेट मार गिराने के दिये गये बयान को सभी समाचार पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया है। हिंदुस्तान समाचार पत्र की ख़बर के अनुसार– इन जेट्स को लगभग तीन सौ किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया, जो भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।